Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
January to March 2025 E-Journal, Volume I, Issue XLIX, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

भीलवाड़ा जिले में वास्तु का तथा मानव का अन्त:सम्बन्ध का अध्ययन

डॉ. नीता सीकलीगर*

* पोस्ट डॉक्टारोल फैलो (संस्कृत) मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,उदयपुर (राज.) भारत

प्रस्तावना – प्रस्तुत शोध पत्र भीलवाडा जिले में भवनों के वास्तु और मानव अन्त:सम्बन्ध पर आधारित है। वास्तु का हमारे जिंदगी घर परिवार सब पर प्रभाव पड़ता है वो भी गहरा प्रभाव पड़ता है,लेकिन कई लोग इसका प्रभाव को आनयास ही महसूस कर लेते हैं तो कई लोगों को धयान देने पर इसका प्रभाव दिखाई देता है। वास्तु का सूक्ष्म प्रभाव को हर कोई आसानी से नहीं समझ सकता लेकिन नहीं समझ सकता इसका अर्थ ये कतई नहीं है कि वास्तु का कोई प्रभाव ही नहीं है। बहुत से लोग अपने घर में हमेशा वस्तुवों को व्यवस्थित करते रहते हैं उन्हें देखकर बहुत से लोगों को लगता है इसकी तो अभी कोई आवश्यकता ही नहीं थी या ये तो ठीक ठाक रखा हुआ था। शरीर मे होने वाले रोग को शरीरदोष कहते है मकान,दुकान, मन्दिर, नगर, गांव को सही ढंग से न बनाने को वास्तु दोष कहते है हर स्थान के दोष कि अलग अलग हानी लाभ होते है।

अध्ययन के उद्देश्य :

1. भीलवाड़ा जिले के भवनों में वास्तुसंगत स्थितियों का परिवार के सदस्यो पर प्रभाव जानना।

अध्ययन क्षेत्र – प्रस्तुत अध्ययन हेतु भीलवाड़ा जिले में 30 भवनों का अवलोकन किया गया जिसमें 15 सरकारी भवन और 15 निजी भवन थे। उक्त भवनों का अवलोकन करने से पूर्ण भवन स्वामी से आज्ञा ली गई जिसमें शोध कार्य में मूल्य–मूक्त सहयोग की अपेक्षा की गई। अवलोकन सूची अथवा प्रश्नावली के आधार पर तथ्यों का संकलन किया गया है।

वास्तु का शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव – भीलवाड़ा में स्थित 30 भवनों के वास्तु का परिवार के सदस्यों पर शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव देखा गया है जिसमें 15 निजी भवनों में से 20 प्रतिशत में स्वास्थ्य बहुत अच्छा पाया गया और 33 प्रतिशत का अच्छा एवं 20 प्रतिशत परिवारों का सामान्य तथा 13 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं पाया गया जबकि 13 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक नहीं पाया गया। 15 सरकारी भवनों में से 27 प्रतिशत में स्वास्थ्य बहुत अच्छा पाया गया और 27 प्रतिशत का अच्छा एवं 20 प्रतिशत परिवारों का सामान्य तथा 13 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं पाया गया जबकि 13 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक नहीं पाया गया।

वास्तु का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव – भीलवाड़ा में स्थित 30 भवनों के वास्तु का परिवार के सदस्यों पर मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव देखा गया है जिसमें 15 निजी भवनों में से 47 प्रतिशत में स्वास्थ्य बहुत अच्छा पाया गया और 47 प्रतिशत का अच्छा एवं 13 प्रतिशत परिवारों का सामान्य तथा 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं पाया गया जबकि 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक नहीं पाया गया। 15 सरकारी भवनों में से 53 प्रतिशत में स्वास्थ्य बहुत अच्छा पाया गया और 27 प्रतिशत का अच्छा एवं 20 प्रतिशत परिवारों का सामान्य तथा 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं पाया गया जबकि 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक नहीं पाया गया।

वास्तु का सामाजिक स्थिति पर प्रभाव – भीलवाड़ा में स्थित 30 भवनों के वास्तु का परिवार के सदस्यों पर सामाजिक स्थिति के सन्दर्भ में प्रभाव देखा गया है जिसमें 15 निजी भवनों में से 67 प्रतिशत में सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 20 प्रतिशत की अच्छी एवं 7 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 7 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की सामाजिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की सामाजिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई। 15 सरकारी भवनों में से 27 प्रतिशत में सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 53 प्रतिशत की अच्छी एवं 20 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की सामाजिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की सामाजिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई।

वास्तु का आर्थिक स्थिति पर प्रभाव – भीलवाड़ा में स्थित 30 भवनों के वास्तु का परिवार के सदस्यों पर आर्थिक स्थिति के सन्दर्भ में प्रभाव देखा गया है जिसमें 15 निजी भवनों में से 60 प्रतिशत में आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 40 प्रतिशत की अच्छी एवं 0 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की आर्थिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई। 15 सरकारी भवनों में से 33 प्रतिशत में आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 47 प्रतिशत की अच्छी एवं 20 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की आर्थिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई।

वास्तु का शैक्षणिक स्थिति पर प्रभाव – भीलवाड़ा में स्थित 30 भवनों के वास्तु का परिवार के सदस्यों पर शैक्षणिक स्थिति के सन्दर्भ में प्रभाव देखा गया है जिसमें 15 निजी भवनों में से 27 प्रतिशत में शैक्षणिक स्थिति बहुत

अच्छी पायी गयी और 20 प्रतिशत की अच्छी एवं 20 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 13 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की शैक्षणिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 20 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की शैक्षणिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई। 15 सरकारी भवनों में से 47 प्रतिशत में शैक्षणिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 27 प्रतिशत की अच्छी एवं 13 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 7 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की शैक्षणिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 7 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की शैक्षणिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई।

वास्तु का राजनैतिक स्थिति पर प्रभाव – भीलवाड़ा में स्थित 30 भवनों के वास्तु का परिवार के सदस्यों पर राजनैतिक स्थिति के सन्दर्भ में प्रभाव देखा गया है जिसमें 15 निजी भवनों में से 40 प्रतिशत में राजनैतिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 33 प्रतिशत की अच्छी एवं 13 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 7 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की राजनैतिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 7 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की राजनैतिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई। 15 सरकारी भवनों में से 20 प्रतिशत में राजनैतिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 33 प्रतिशत की अच्छी एवं 13 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 27 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की राजनैतिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 7 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की राजनैतिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई।

वास्तु का परिवार के सदस्यों पर प्रभाव – भीलवाड़ा में स्थित 30 भवनों के वास्तु का परिवार के सदस्यों पर आपसी सम्बन्ध की स्थिति के सन्दर्भ में प्रभाव देखा गया है जिसमें 15 निजी भवनों में से 20 प्रतिशत में आपसी सम्बन्ध की स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 53 प्रतिशत की अच्छी एवं 13 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 13 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की आपसी सम्बन्ध की स्थिति ठीक नहीं पायी गई जबकि 0 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की आपसी सम्बन्ध की स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई। 15 सरकारी भवनों में से 40 प्रतिशत में आपसी सम्बन्ध की स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी और 20 प्रतिशत की अच्छी एवं 20 प्रतिशत परिवारों की सामान्य तथा 13 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की आपसी सम्बन्ध स्थिति की ठीक नहीं पायी गई जबकि 7 प्रतिशत परिवारों के सदस्यों की आपसी सम्बन्ध की स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं पायी गई।

निष्कर्ष :

1. 13 प्रतिशत निजी भवनों में परिवारों के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं पाया गया जबकि 20 प्रतिशत सरकारी भवनों में रहने वाले परिवारों का सामान्य स्वास्थ्य पाया गया।
2. 47 प्रतिशत निजी भवनों में स्वास्थ्य बहुत अच्छा पाया गया और 53 प्रतिशत सरकारी भवनों में रहने वालों का स्वास्थ्य बहुत अच्छा पाया गया।
3. 67 प्रतिशत निजी भवनों में रहने वालों की सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी जबकि 20 प्रतिशत सरकारी भवनों में रहने वाले परिवारों की सामान्य पायी गई।
4. 60 प्रतिशत निजी भवनों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी पायी गयी 20 प्रतिशत सरकारी भवनों में रहने वालों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं पायी गई।

सुझाव – कभी-कभी खून की जांच एवं मेडिकल संबंधित सभी प्रकार के टेस्ट अथवा जांच आदि कराने के बाद भी सब कुछ नॉर्मल आता है, परन्तु तब भी शरीर में बीमारी बनी रहती है। बीमारी का कारण समझ में नहीं आता है, ऐसे में आजकल डॉक्टर भी दवा के साथ दुआ, अच्छे कर्म, सकारात्मक सोच की सलाह मरीज को देते हैं ताकि बीमार व्यक्ति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सके। प्राचीनकाल से चिकित्सा जगत में यह कहा जाता है कि डॉक्टर इलाज करते हैं, मरहम-पट्टी करते हैं और भगवान स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। स्वास्थ लाभ के लिए मरीज की ग्रह दशा के साथ वास्तु का भी धयान रखना चाहिए। ग्रह दशा के लिए उपाय करने से एवं वास्तुदोष दूर करने से दवा बहुत जल्द असर करती है जिसके काराण रोग, शोक, बीमारियां, घर-परिवार से दूर रहती हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. वी. चक्रवर्ती, इंडियन आर्किटेक्चरल थ्योरी : गूगल बुक्स में वास्तु विद्या के समकालीन उपयोग
2. प्रभु, बालगोपाल, टी. एस. और अच्युतन, ए,'अ टेक्स्ट बुक ऑफ वास्तुविद्या', वास्तुविदप्रतिष्ठानम, कोझीकोड, नया संस्करण, 2.11.
3. वास्तु-शिल्प कोश, हिंदू मंदिर वास्तुकला का विश्वकोश और वास्तु / एस. के. रामचंद्र राव, दिल्ली, डिवाइन बुक्स, (लाला मुरारी लाल छारिया ओरिएंटल सीरीज) आईएसबीएन 978-93-81218-51-8 (सेट)

****